nwda.gov.in

# पार्कों में वर्षा जल संग्रहण के लिए रिचार्ज पिट बनाएगा जल बोर्ड

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: वर्षा जल संग्रहण के जरिये भूजल स्तर बढ़ाने के लिए दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के पार्कों में रिचार्ज पिट बनाएगा। साथ ही भूजल स्तर बढ़ने पर पानी आपूर्ति बढ़ाने के लिए डीडीए के पार्कों में ट्यूबवेल भी लगाने पर जल बोर्ड विचार कर रहा है। इस संदर्भ में जल बोर्ड को एक्शन प्लान तैयार करने के लिए निर्देश दिया गया है। सोमवार को पानी से जुड़े मामले पर छतरपुर, सीलमपुर व गोकलपुरी क्षेत्र के विधायकों व जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति की वितरण व्यवस्था में सुधार लिए पानी की आडिट योजना के तहत सभी जल शोधन संयंत्रों, भूमिगत जलाशयों व पाइप लाइनों पर जगह-जगह फ्लो मीटर लगाए जा रहे हैं। कई इलाकों में फ्लो मीटर लगाने का काम पूरा हो चुका है।

- जल बोर्ड को एक्शन प्लान तैयार करने के दिए गए निर्देश
- दिल्ली विकास प्राधिकरण के करीब 700 पार्क हैं राजधानी में

फ्लो मीटर को स्काडा साफ्टवेयर से जोड़ा जाएगा। इससे पानी आपूर्ति की आनलाइन निगरानी हो सकेगी और पानी आपूर्ति की सटीक जानकारी मिल सकेगी। इससे यह पता चल सकेगा कि जल शोधन संयंत्रों से जितना पानी शोधन के बाद भूमिगत जलाशयों में छोड़ा जा रहा है, उतना पूरा पानी पाइप लाइन से लोगों के घरों में पहुंच पा रहा है या नहीं। साथ ही इससे यह पता चल सकेगा कि पानी की कितनी बर्बादी और चोरी हो रही है। इससे पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था बेहतर होगी। उन्होंने जल बोर्ड के अधिकारियों को गोकलपुरी व सीलमपुर सहित बाकी बचे सभी इलाकों में फ्लो मीटर लगाने का काम समय से पूरा करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति बढ़ाने के लिए जल बोर्ड करीब 500 नए ट्यूबवेल लगाने की योजना पर काम कर रहा है। जल बोर्ड इस योजना को विस्तार देने की तैयारी में है। इसी क्रम में डीडीए के पार्कों में रिचार्ज पिट व ट्यूबवेल लगा जल बोर्ड पानी आपूर्ति बढ़ाने पर विचार कर रहा है। जल्द ही जल बोर्ड इस मामले पर डीडीए के अधिकारियों के साथ बैठक करेगा, ताकि योजना तैयार कर अमल किया जा सके। डीडीए के करीब 700 पार्क हैं। जल बोर्ड को उम्मीद है कि उन पार्कों में वर्षा जल संग्रहण को बढ़ावा देकर भूजल स्तर बढ़ाया जा सकता है। इससे ट्यूबवेल के जरिये पेयजल आपूर्ति भी बढ़ सकती है।